بسم الله الرحمن الرحيم

जुम्मा खुतुबा

विषय:-

"एक पूर्ण भविष्यवाणी"

हज़रत मुहीउद्दीन अल ख़लीफ़तुल्लाह मुनीर अहमद अज़ीम (अ स)

16 March 2018 (27 Jamad'ul Aakhir 1439 AH)

अनुवादक : फातिमा जास्मिन सलीम
EMAIL:fjasmine14@gmail.com

अपने सभी चेलों सहित सभी नए चेलों , (और दुनिया भर के सभी मुसलमानों) को शांति का अभिवादन करने के बाद हज़रत ख़लीफ़तुल्लाह (अ त ब अ) ने तशहुद ,तौज, सूरह अल फातिहा पढ़ा और फिर उन्होंने अपना उपदेश दिया : **"एक पूर्ण भविष्यवाणी"।**

يَخْتَصُّ بِرَحْمَتِهِۦ مَن يَشَآءُ ۚ وَٱللَّهُ ذُو ٱلْفَضْلِ ٱلْعَظِيمِ ﴿٧٤﴾

यख-तस्सु बि-रमाहतिहि मय्य यशः '। वालाहु ज़ुल-फ़ज़लिल -अज़िम।

वह अपनी दया से जिसे वह चाहता है उसका चयन करता है। और अल्लाह महान इनाम का अधिकारी है। (३: ७५)।

أَفَكُلَّمَا جَآءَكُمْ رَسُولٌۢ بِمَا لَا
تَهْوَىٰٓ أَنفُسُكُمُ ٱسْتَكْبَرْتُمْ فَفَرِيقًا كَذَّبْتُمْ وَفَرِيقًا تَقْتُلُونَ ﴿٨٧﴾

'अफ़ा -कुल्लमा जा-'अकुम रसूलुम बिमा ला तहवा 'अन्फुसुकुमुस 'तकबरतुम ?

फ-फरीकन कज़्ज़ाब्तुम व फरीकन तक़तूलून?

लेकिन क्या यह सच नहीं है कि हर बार एक दूत आपके पास आया, जो आपकी आत्माओं ने कामना नहीं कि थी , तुम अभिमानी थे? और एक पक्ष (दूतों की) आपने अस्वीकार कर दिया और दूसरे पक्ष को आपने मारने का प्रयास किया। (२: ८८)।

जब ईश्वरीय आदेश पर मैंने खुद को मुही-उद-दीन (धर्म के नवजीवनदाता) के रूप में घोषित किया और इस युग का ख़लीफ़तुल्लाह (अल्लाह का खलीफा), साथ ही अन्य उपाधियाँ जो अल्लाह के पास से मुझे दी गई, मुसलमानों, अधिक स्पष्ट रूप से ईर्ष्या करने वाले अहमदी मुल्लाह, मेरे खिलाफ खड़े हो गए और मुझ पर दोष और गंदगी, ढेर करने लगे और तिरस्कार करने लगे । जो लोग अहमदिय्यत के धर्मशास्त्री और रक्षक बनने का दावा करते हैं , 'ख़लीफ़ा' के रक्षक जो हर जगह जमात उल सहीह अल इस्लाम के खिलाफ और इस सदी के ख़लीफ़तुल्लाह के खिलाफ, जनता को खड़ा करने के लिए घूमते हैं ।

ईश्वरीय घोषणापत्र के शुरुआत में और इस अल्लाह के विनम्र सेवक के मुही-उद-दीन और ख़लीफ़तुल्लाह आदि की घोषणा के बाद से इन मुल्लाओं ने उनके विरोधी जमात उल साहिह अल इस्लाम के योजना की तरफ मिश्रित राजनीति की है। लेकिन इस प्रभाव को कौन रोक सकता है ,जो जमात उल साहिह अल इस्लाम बन गया है? जब सर्वशक्तिमान ईश्वर हमारे साथ है, तो कौन है जो उसे चुनौती देने और उसकी इच्छा के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत करेगा ? निश्चित रूप से इसका परिणाम यह है ,की एक बहुत ही शोकजनक होगा, क्योंकि अल्लाह हमेशा उसके निर्वाचित / चुने हुए सेवक का समर्थन करता है और उसके वादे ज़रूर पूरे करता हैं।

हज़रत आदम (अ स) के ज़माने से लेकर आज तक, पैग़म्बरों की परवरिश मानवता के मार्गदर्शन के लिए हुई है। जब शैतान को आज्ञा भंग करने वाला दोषी पाया गया और अल्लाह की उपस्थिति से ख़ारिज कर दिया गया, उसने निर्णय के दिन तक की देरी के लिए कहा ताकि ईश्वर के सेवकों को धोखा दे सके और गुमराह कर सके। अल्लाह ने उसे यह देरी करने और उसकी सारी चाल चलने की उसे अनुमति दी। लेकिन उसी वक्त, अल्लाह ने बलपूर्वक भविष्यवाणी की, कि वह कभी भी अपने चुने हुए सेवकों पर काबू पाने में सक्षम नहीं होगा।

यह इस दंड और शैतान को दिए गए अक्षरेखा (स्वतंत्रता और अनुमति) से है जो शैतान और अल्लाह के सेवकों के बीच लड़ाई शुरू हुई और यह संघर्ष अभी भी जारी है। जिस तरह शैतान पापियों का नेता है, उसी तरह अल्लाह के चुने हुए पैगंबर अल्लाह के सेवकों का नेता है। जब कभी भी पृथ्वी पर अधिकांश लोग शैतान के प्रभाव में आते है, अल्लाह लोगों को सही रास्ते / जीवनपथ पर वापस लाने के लिए एक पैगंबर को उठाता है। एक महाकाव्य संघर्ष फिर शुरू होता है, और अंत में शैतानी समूह प्रत्येक बार संख्या में कम हो जाता है और उसकी ताकत खो देता है।

दूसरी ओर, **पैगंबर का समूह दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है।** और अंत में ,शैतान को हार माननी पड़ती है। और यह दुनिया के अंत तक चलेगा। दूसरे शब्दों में, जब कभी भी शैतानी सेना मानवता को गुमराह करने के लिए अपनी ताकत हासिल करती है, अल्लाह उसके पास अनंत कृपा शैतानी शासन को खत्म करने के लिए अपनी सेना को खड़ी करेगा। जब तक वहां जो लोग इस देश में निवास करेंगे, जब तक वहाँ बुराई है, अल्लाह उसके चुनाव करेगा, उसके भविष्यद्वक्ता जो संतुलन बनाये रखेंगे , चाहे यह सांसारिक, नैतिक और आध्यात्मिक स्तरों पर हो।

तो इसके बारे में सोचो ! अल्लाह अनन्त है क्योंकि वो उसका पवित्र शब्द है। पवित्र पैगंबर मुहम्मद (स अ व स) खातमुन नबीयीन जैसे अल्लाह द्वारा उठाये गए है , पैगम्बरों का मोहर, और कानून के अंतिम धारक पैगंबर (अंतिम कानून-धारक पैगंबर)। यह कहना कि उसके बाद कोई और पैगंबर नहीं होगा, जो स्पष्ट रूप से कानून के गैर-पदाधिकारी हैं, तो यह कुरान की शिक्षाओं को इनकार करना है, और इस प्रकार यह ईश्वरीय शब्द का खंडन करना है।

इसी तरह से, मैं उन सभी अहमदी मुसलमानों को संबोधित करता हूं, आप वह है जो पहचानते हैं की भविष्यद्वक्ता पवित्र पैगंबर मुहम्मद (स अ व स) के बाद भी पैगम्बरी दरवाजा खुला है, आप वह है

जिन्होने पिछली शताब्दी के वादा किए गए मसीह को स्वीकारा, हजरत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद (अ.स.), अहमदियत के संस्थापक, अब आप अपने समय के ईश्वर के चुनाव को पहचानने से क्यों मना करते हैं? उनकी कृपा से, अल्लाह ने मुझे तुम्हारे ही बीच से, उठाया है, मुहम्मद (स अ व स) की उम्मत और वादा किए गए समुदाय (जमात) से मसीह (अ.स.), तुम अब भी अंधे क्यों हो? आप बहरे क्यों बने हैं? मुहम्मद (स अ व स) का उम्मत और वादा किए गए मसीहा (अ.स.), के समुदाय (जमात) से तुम अब भी अंधे क्यों हो? आप बहरे क्यों बने बैठे हैं?

यदि इस वाक्यांश **ख़तम-मुन-नबीइन** का मतलब है जो पैगम्बरी रास्तों का अंत करता है' जैसा की अन्य मुस्लिम पक्ष द्वारा घोषित किया गया है, और यदि वादा किए गए मसीह अहमद (अ स) के बाद कोई नहीं, अन्य मसीह को नहीं आना चाहिए, फिर ईश्वर ने पवित्र कुरान के उन आयतों में क्यों बताया, ऐसी आयतें जो न्याय के दिन, पुनरुत्थान के दिन तक रहेंगी?

हे आदम के बच्चों, यदि कोई दूत आप में सेही मेरे आयत से संबधित (संकेत / रहस्योद्घाटन) आपकी ओर लेकर आये , फिर जो कोई भी अल्लाह से डरता है और सुधार करता है - वहाँ उनके विषय में कोई भय नहीं होगा, न ही वे शोक मनाएँगे। ((७ : ३६)।

यदि हम (जमात उल साहिह अल इस्लाम) को अन्य मुस्लिम पक्षों ने जो स्वीकार किया और क्या उसे स्वीकार करना चाहिए और क्या अन्य अहमदी जो मानव-निर्वाचित 'ख़लीफ़ा' के अनुसरण करते हैं, वह कहते हैं कि अब और चुनाव नहीं होगा / अल्लाह के पैगंबर जो पवित्र पैगंबर मुहम्मद (स अ व स) के बाद आएंगे और मसीह और महदी मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद (अ.स.), ऐसे ख़लीफ़ा की उपस्थिति में, यहाँ अल्लाह के ख़लीफ़ा (ख़लीफ़ातुल्लाह) के आगमन की कोई ज़रूरत नहीं है जो पवित्र आत्मा (रूहिल कुद्दुस) के साथ आता है, कैसे अल्लाह (स व त) आयत में कह सकता है की उसने सिर्फ उल्लेख किया है कि वहाँ अन्य भविष्यद्वक्ताओं, अन्य मार्गदर्शक आ जाएंगे?

सूरह एन-नूर (वो प्रकाश) में - पवित्र कुरान का अध्याय, अल्लाह (स व त) कहता है:

अल्लाह ने उन लोगों से वादा किया है जिसने आपके बीच में से विश्वास किया हैं और जिन्होने नेक काम किये हैं वह निश्चित रूप से उन्हें पृथ्वी पर वारिस (ख़लीफ़ा / उत्तराधिकारी) बना देगा जिस तरह से उसने उनके सामने वालों को दिया। (२४: ५६)।

यह उम्मते मुहम्मदिया में भी है कि अल्लाह (स व त) खलीफाओं (उत्तराधिकारियों) को उभारेगा जैसे उसने मूसा (अ स) के उम्मत में ख़लीफ़ाओं को उभारा था, जैसे हारुन(आरोन)(अ स), युशा (जोशुआ)(अ स), दाऊद (डेविड)(अ स) और सुलैमान (सोलोमन)(अ स), **आशा है अल्लाह की शांति उन सभी पर बनी रहे !** इस आयत का अर्थ यह है कि वे उनके पहले के नबियों की तरह ख़लीफ़ा होंगे।

और पवित्र पैगंबर मुहम्मद (स अ व स) के मुंह से सुनाई गई भविष्यवाणियों को याद रखें, वादा किए गए मसीह के आगमन के बारे में, **ईसा-इब्न-मरियम** का दूसरी बार आना। अल्लाह के मसीहा के अपने दृष्टिकोण को याद रखें, सफेद के संस्करण के अनुसार और गुलाबी रंग ,दूसरे संस्करण के अनुसार साँवला / काले रंग का- दोनों श्रेणियों में सबसे सुंदर-पवित्र काबा का तवाफ़ (परिक्रमा) करना ? क्या आप जानते हैं कि उन्होंने (स अ व स) कहा कि मसीहा उमराह या हज्ज या दोनों का प्रदर्शन करेंगे और वह रव्हा नामक स्थान से तल्बियह (लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक) का उद्धार करेंगे ? (मुस्लिम, अबू हुरैरा (र अ) द्वारा रिपोर्ट किया गया ।

मुस्लिम दुनिया ने हजरत मिर्जा ग़ुलाम अहमद (अ.स.) के दर्जे को बदनाम करने की हठ पकड़ ली है, हालांकि अपने समय के प्रतिभावान मसीहा होने का दावा करते हैं, उन्होंने उक्त भविष्यवाणी को पूरा नहीं किया था। लेकिन हम, अहमदी मुसलमान, अपने दृढ़ विश्वास में दृढ़ रहे क्योंकि हम अच्छी तरह से जानते थे कि अल्लाह ने हमें क्या सिखाया है, इन कुरान के छंदों के अनुसार, पवित्र पैगंबर मुहम्मद (स अ व स) को संबोधित है :

इसलिए धैर्य रखें; वास्तव में, अल्लाह का वादा सत्य है। और क्या हम आपको कुछ दिखाते हैं जो हमने उनसे वादा किया है या हम आपको मृत्यु में ले जाते हैं, वह हमारे लिए लौटेंगें । और हमने आपसे पहले भी संदेशवाहक भेजे हैं। इनमें से वो हैं (जिनकी कहानियाँ) हम आपको बता चुके हैं, और उनमें से वे हैं (जिनकी कहानियाँ) हमने आपको नहीं बताया है। अल्लाह की अनुमति के बिना और यह किसी भी संदेशवाहक के लिए, एक संकेत लाने के लिए नहीं था (या छंद या रहस्योद्घाटन) । तो जब अल्लाह का आज्ञा आएगा, यह सच में निष्कर्ष हो जाएगा, और कपट करने वाले (सभी) गवां देंगे। (४० :७८ -७९)।

अल्लाह की कृपा से, हमारे समय का वो दिन आ गया है, जब अल्लाह द्वारा चुना गया विनम्र सेवक और दूत आएगा, और मुहम्मद (स अ व स) और अहमद (अ.स.) के वफादार अनुयायी, वादे के अनुसार पूरा किया और अल्लाह की असीम कृपा से ,यह भविष्यवाणी, कि मसीह उम्मारा या हज्ज या दोनों करेगा। जैसा हो सकता है वैसा रहने दें ,हमारे प्यारे नबी हज़रत मुहम्मद (स अ व स) की दृष्टि इसमें

पूरी हुई ,इस विनम्र सेवक और अल्लाह के मसीह द्वारा, मुझे इस युग का वादा किया गया मसीह बनाकर, उम्मारा अदा कराने के लिए मेरा निर्माण किया (बहुत छोटा हज्ज - तीर्थ यात्रा - मक्का की ओर) ३ बार, और यह एक सम्मान है जो मैंने अल्लाह से प्राप्त किया, की २० फरवरी २०१८ को मेरी पहली उमराह, को पूरा करने के लिए उसने मेरे लिए कई मुश्किलों के बाद रास्ता खोला ,वादा किये गए पुत्र और सुधारक (मुसलेह मौद) के आगमन की भविष्यवाणी का वह सटीक दिन जो पहले ही हज़रत मिर्ज़ा गुलाम अहमद (अ.स.) को प्राप्त हुआ था,**और यह वर्ष १७ साल (२००१ -२०१८) एक निशान है, जबसे अल्लाह ने मुझे दिव्य रहस्योद्घाटन के साथ उसके चुने नौकर के रूप में उभारा, जिसे हम आज इस युग के दिव्य घोषणापत्र के रूप में देखते हैं। और यह १० साल का निशान भी दिखता है जब से जमात उल साहिह अल इस्लाम (२००८ -२०१८) का निर्माण हुआ है । अल्हम्दुलिल्लाह, सुम्मा अल्हम्दुलिल्लाह। सभी प्रशंसा अल्लाह ही के लिए हैं जिसने अपना वादा पूरा किया - क्योंकि, २२ मार्च, २०१७ के दिव्य संदेश को याद रखें, जब अल्लाह ने मुझ से (अंग्रेजी में) खुलासा किया:**

“जब आप मक्का से प्रस्थान करोगे तब इस्लाम को घर लाना , न सिर्फ खजूर और ज़मज़म पानी। ”-

जो जमात उल साहिह अल इस्लाम को विजय की ओर प्रगति करता है -दिव्य जीत- सभी में शांतचित्तता | और दिव्य रहस्योद्घाटन की भोर ,तब से ,यह सभ कुछ हमसे वादा किया गया है (इसकी बिलकुल शुरुआत से) । अल्हम्दुलिल्लाह, सुम्मा अल्हम्दुलिल्लाह।

अल्लाह की कृपा से, मक्का और मदीना में मेरे रहने के दौरान, अल्लाह ने मुझे रहस्योद्घाटन और दृश्य / सपने को सौंपा, और मुझे सूचित किया कि उन सभी - उन लोगों के बीच जिन्होने मेरे आगमन पर विश्वास किया और फिर मुझे छोड़ दिया - जो ईमानदारी से पश्चाताप करेंगें और इस विनम्र सेवक के दर्जे को पुनः प्राप्त करेंगें उन्हें क्षमा कर दिया जाएगा और उसे दिव्य क्षमा प्राप्त होगी।

इसलिए, समाप्त करने के लिए विभिन्न संप्रदायों के मेरे मुस्लिम भाइयों और मेरे अहमदी भाइयों को, मैं पूरी दुनिया के लिए, पूरी मानवता के लिए, इस युग में अल्लाह (स व त) द्वारा आया हूँ , न केवल सुधार के लिए, बल्कि सच्चे परमात्मा को पुनर्जीवित करने की शिक्षा के लिए भी। जब भी कोई अल्लाह सर्वशक्तिमान द्वारा पृथ्वी पर भविष्यवाणियों के अनुसार आता है, पृथ्वी के लोगों ने बहुत बुरी तरह से प्रतिक्रिया दी है, सिवाय उन लोगों को छोड़कर जिन्हें अल्लाह ने विश्वास दिया है। यह अज्ञानी और घृणित लोगों के लिए रिवाज़ (वे लोग जो अल्लाह की आज्ञा पर झुकने से इनकार करते हैं) उसका हसीं उड़ाना , उसका अपमान करना और उसे पीड़ित करना है। मुझे भी इससे बख्शा नहीं गया। लेकिन

परमेश्वर का उद्देश्य मनुष्यों द्वारा बाधित नहीं किया जा सकता है। यह ईश्वर का पैगंबर है जो अंततः विजय प्राप्त करता है। अल्हम्दुलिल्लाह।

जैसा कि अल्लाह (स व त) पवित्र कुरान में कहता है:

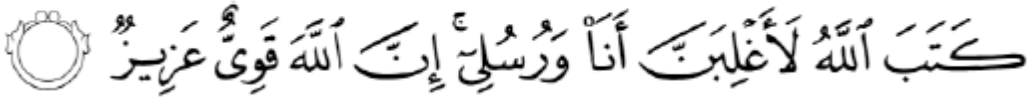

कताबल्लाहो ला -अघलबंना अना व रोसोली ।

"ख़ुदा ने हुक़्म नातिक दे दिया है कि मैं और मेरे पैग़म्बर ज़रूर ग़ालिब रहेंगे बेशक ख़ुदा बड़ा ज़बरदस्त ग़ालिब है" (58: 22)।"

अल्लाह हमारे बलिदानों और प्रार्थनाओं को स्वीकार करे, और हमें आशीर्वाद देता रहे और आशा है दुनिया आखिरकार उनके घोषणापत्र, संकेत और दूत पेहचानेगी और एक बेहतर दुनिया के लिए खुद का सुधार और खुद के उद्धार के लिए।

इंशा-अल्लाह, आमीन।